विषयः अर्थशास्त्र

पाठ्यक्रम

इकाई-I: व्यष्टि अर्थशास्त्र

- उपभोक्ता व्यवहार सिद्धान्त
- उत्पादन और लागत सिद्धान्त
- अनिश्चयता के अन्तर्गत निर्णय, जोखिम के प्रति अभिवृति
- गेम सिद्धान्त – असहकारी गेम्स
- बाजार संरचना, प्रतिस्पर्धात्मक और अप्रतिस्पर्धात्मक साम्यावस्था और उनके दक्षता के गुण
- उपादान कीमत-निर्धारण
- सामान्य साम्यावस्था विश्लेषण
- दक्षता का मापदंड : परेटो द्वारा प्रतिपादित इष्टतयता, काल्डर – हिक्स तथा सम्पदा अधिकतमकरण
- कल्याण अर्थशास्त्र : आधारभूत सूत्र, समाज कल्याण प्रकार्य
- असमित सूचना : प्रतिकूल चयन तथा नैतिक खतरे

इकाई-II: समष्टि अर्थशास्त्र

- राष्ट्रीय आय: संकल्पनाएँ तथा मापन
- उत्पादन एवं रोजगार का निर्धारण : परम्पारवादी तथा केन्ज़ीय उपागम
- उपभोग प्रकार्य
- निवेश प्रकार्य
- गुणक तथा त्वरक
- मुद्रा की मांग
- मुद्रा की आपूर्ति

- आई एस – एल एम माडल उपागम
- मुद्रास्फीति और फिलिप्स वक्र विश्लेषण
- व्यापार चक्र
- मौद्रिक तथा राजकोषीय नीति
- विवेकी प्रत्याशा प्राकल्पना तथा इसकी समालोचना

इकाई-III: सांख्यिकी तथा अर्थमिति

- प्रायिकता सिद्धान्त : प्रायिकता की संकल्पनाएं, वितरण, मोमेंट्स, केन्द्रीय सीमा सूत्र (Central Limit Theorem)
- विवरणात्मक सांख्यिकी – केन्द्रीय प्रवृति का मापन और प्रकीर्णन, सहसाहचर्य, सूचकांक
- प्रतीक-चयन की विधियां और प्रतीक-चयन वितरण
- सांख्यिकी अनुमान, प्राक्कल्पना का परीक्षण
- रेखीय प्रतिगमन माडल और उनके गुण-स्वभाव – बी एल यू ई (BLUE)
- आजेन्टीफिकेशन प्रोब्लम
- समकालिक समीकरण के माडल- पुनर्प्रवाही और गैर-पुनर्प्रवाही
- असतत् चयन माडल
- समय ऋंखला विश्लेषण

इकाई-IV: गणितीय अर्थशास्त्र

- सेट, प्रकार्य और निरन्तरता, अनुक्रम और माला
- अवकलन गणित तथा इसके अनुप्रयोग
- रेखीय बीजगणित भिति उनके वेक्टर स्पेस अनुप्रयोग
- स्थिर इष्टतमीकरण समस्याएं
- इनपुट-आउटपुट माडल, रेखीय प्रोग्रमिंग
- डिफरेंस इक्योशन्स और डिफरेंशियल इक्योशन्स और उनके अनुप्रयोग

इकाई-V: अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र

- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार : आधारभूत संकल्पनाएँ और विश्लेषणात्मक विधियाँ
- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त
- अपूर्ण प्रतिस्पर्धा के अधीन अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार
- भुगतान का सन्तुलन : संरचना, साम्यावस्था और असाम्यावस्था और समायोजन की क्रिया विधियां
- विनिमय दर : संकल्पनाएँ और सिद्धान्त

- विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार और विदेशी मुद्रा का क्रय-विक्रय
- व्यापार से लाभ, व्यापार की शर्तें, व्यापार गुणक
- व्यापार से जुड़े प्रशुल्क गैर प्रशुल्क अवरोधक, राशि पतन
- गैट (GATT) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन (WTO) और रिजनल ट्रेड ब्लाक्स; व्यापार नीति सम्बन्धी मुद्दे
- अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक

इकाई- VI: लोक अर्थशास्त्र

- बाजार विफलता और सुधारायक उपाय : असमित सूचना, सार्वजानिक वस्तुएं, बाह्यता
- बाजार का नियंत्रण – अभिसिंध और उपभोक्ता कल्याण
- लोक राजस्व : कर एवं गैर कर राजस्व, प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष कर, प्रगतिशील और गैर-प्रगातिशील कराधान, कराधान का कर-भार और प्रभाव
- लोक व्यय
- ऋण तथा इसका प्रबन्धन
- सरकारी बजट और बजट गुणक
- राजकोषीय नीति और इसके निहितार्थ

इकाई-VII: मुद्रा और बैकिंग

- मुद्रा आपूर्ति के घटक
- केन्द्रीय बैंक
- वाणिज्यिक बैकिंग
- मौद्रिक नीति के उपकरण और इसकी कार्य-शैली
- गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान
- पूंजी बाजार और इसका विनिमयन

इकाई-VIII: संवृद्धि और विकास का अर्थशास्त्र

- आर्थिक संवृद्धि और आर्थिक विकास
- आर्थिक विकास के सिद्धान्त : एडम स्मिथ, रिकार्डो, मार्क्स, शुम्पीटर, रोस्टोव, सन्तुलित और असन्तुलित वृद्धि, प्रबल धक्का उपागम
- आर्थिक वृद्धि के माडल : हैरड-डोमार, सोलो, रोबिन्सन, काल्डोर
- तकनीकी प्रगति – गैर समाहित और समाहित; अन्तर्जात संवृद्धि
- आर्थिक विकास के सूचक : पी क्यू एल आई (PQLI), एच डी आई (HDI), एस डी जी (SDG_S)

- गरीबी और असमानताएं : संकल्पना और मापन
- सामाजिक क्षेत्र में विकास : स्वास्थ्य, शिक्षा, लिंग

इकाई-IX: पर्यावरणीय अर्थशास्त्र और जनांकिकी

- पर्यावरण एक सार्वजानिक वस्तु के रुप में
- बाजार विफलता
- कोस प्रमेय (Coase Theorem)
- लागत-लाभ विश्वलेषण और मुआवजा के मानदंड
- पर्यावरणीय वस्तुओं का मूल्य-निर्धारण
- जनसंख्या के सिद्धान्त
- संकल्पनाएं और मापन : प्रजननीयता, रुग्णता, मृत्युक्रम
- आयु-संरचना, जनांककीय लाभांश
- जीवन सारिणी
- प्रवास

इकाई-X: भारतीय अर्थव्यवस्था

- भारत में आर्थिक प्रगति : प्रतिमान और संरचना
- कृषि : प्रगति के प्रतिमान और संरचना, प्रमुख चुनौतियां, नीति प्रतिवचन
- उद्योग : प्रगति के प्रतिमान और संरचना, प्रमुख चुनौतियां, नीति प्रतिवचन
- सेवाएं : प्रगातिक प्रतिमान और संरचना, प्रमुख चुनौतियाँ, नीति प्रतिवचन
- ग्रामीण विकास :मुद्दे, चुनौतियां और नीति प्रतिवचन
- शहरी विकास : मुद्दे, चुनौतियां और नीति प्रतिवचन
- विदेश व्यापार : संरचना तथा दिशा, बी ओ पी (BOP), विदेशी पूंजी का प्रवाह, व्यापार नीतियां
- आधारभूत संरचना विकास : भौतिक और सामाजिक, सरकारी – निजी सहभागिता
- भूमि, श्रम और पूंजी बाजार के क्षेत्रो में सुधार कार्य
- केन्द्र–राज्य वित्तीय सम्बन्ध और भारत में गठित विभिन्न वित्त आयोग; एफ आर बी एम (FRBM)।
- गरीबी, असमानता और बेरोजगारी